R/263/21

M.A. III SEMESTER (Main/ATKT) EXAMINATION, DECEMBER-2021

हिन्दी साहित्य

PAPER - I

आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

Time : Three hours **Maximum Marks : 40**
Minimum Marks : 14

Note : सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक खण्ड में निर्धारित अंक दर्शाए गए हैं।

खण्ड 'अ'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1x5 = 05

Q.1 निम्नलिखित प्रश्नों के सटीक उत्तर दीजिए –

(i) 'कामायनी' महाकाव्य के अन्तिम सर्ग का नाम लिखिए।

(ii) 'साकेत' महाकाव्य में सर्गों की संख्या कितनी है?

(iii) 'कामायनी' महाकाव्य के चिन्ता सर्ग की प्रथम पंक्ति का उल्लेख कीजिए।

(iv) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन' किस युग के कवि हैं?

(v) 'जंगलराग' कविता के कवि का नाम बतलाइए।

खण्ड 'ब'

लघु उत्तरीय प्रश्न

2x5 = 10

Q.2 ''कौन हो तुम बसन्त के दूत, विरस पतझड़ में अति सुकुमार!
धन–तिमिर में चपला की रेख, तपन में शीतल मंद बयार।'' इन पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

vFkok OR

''मिथिला मेरा मूल है, और अयोध्या कूल।
चित्रकूट को क्या कहूँ, रह जाती मैं भूल।'' इन पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

Q.3 मैथिलीशरण गुप्त की काव्य भाषा की प्रमुख दो विशेषताएँ लिखिए।

अथवा OR

मैथिलीशरण गुप्त जी की प्रमुख चार रचनाओं के नाम लिखिए।

Q.4 श्रद्धा के चरित्र की कोई दो विशेषताएँ बतलाइए।

अथवा OR

'कामायनी' महाकाव्य में निहित प्रमुख प्रतीकों को स्पष्ट कीजिए।

Q.5 द्विवेदी युगीन प्रमुख कवियों के नाम एवं उनकी रचनाओं के नाम लिखिए।

अथवा OR

भारतेन्दु युगीन कविता की दो प्रमुख विशेषताएँ उल्लिखित कीजिए।

Q.6 अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की भाषा–शैली पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

अथवा OR

बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' के काव्य में निहित राष्ट्रीय भावना को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड 'स'
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

5x5 = 25

Q.7 निम्नलिखित पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

''उस रुदन्ती विरहणी के रुदन–रस के लेप से,
और पाकर ताप उसके प्रिय–विरह–विक्षेप से।
वर्ण–वर्ण सदैव जिनके हों विभूषण कर्ण के
क्यों न बनते कविजनों के ताम्रपत्र सुवर्ण के।''

अथवा OR

''नील परिधान बीच सुकुमार खुल रहा मृदुल अधखिला अंग
खिला हो ज्यौं बिजली का फूल मेघबन बीच गुलाबी रंग।
आह वह मुख ! पश्चिम के व्योम बीच जब घिरते हों घनश्याम
अरुण रवि–मण्डल उनको भेद, दिखाई देता हो छविधाम।।''

Q.8 'साकेत' के नवम्सर्ग के आधार पर उर्मिला की विरह–वेदना का वर्णन कीजिए।

अथवा OR

मैथिलीशरण गुप्त की कविता के भावपक्ष और कलापक्ष की प्रमुख विशेषताओं को सोदाहरण बतलाइए।

Q.9 'कामायनी' के दार्शनिक पक्ष की विवेचना कीजिए।

अथवा OR

'कामायनी' के रुपक तत्वों की व्याख्या कीजिए।

Q.10 छायावाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए छायावाद की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा OR

द्विवेदी युगीन कविता की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि स्पष्ट करते हुए इस युग की कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ निर्धारित कीजिए।

Q.11 'कवि अशोक शाह की प्रदीर्घ कविता जंगलराग' पर्यावरणीय चेतना की श्रेष्ठ अभिव्यक्ति है। इस कथन की विवेचना कीजिए।

अथवा OR

महादेवी वर्मा की काव्य–प्रवृत्तियों का मूल्यांकन छायावादी कविता के आधार पर कीजिए।

●●●